क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 02 अंकः 15, गुरुवार, 07 फरवरी, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2012 में तख्तापलट की रिपोर्ट पर बवाल- भाजपा ने कहा, इसके पीछे था 4 कांग्रेसी नेताओं का हाथ

नई दिल्ली।

भाजपा ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2012 में भारतीय सेना द्वारा तख्तापलट की कोशिश की झूठी अफवाह फैलाने एवं देश के साथ गद्दारी किए जाने की जांच कराने की मांग की है। भाजपा के प्रवक्ता जी.वी.एल. नरसिंह राव ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस ने केवल भ्रष्टाचार ही नहीं किया बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डाला था। एक अंग्रेजी दैनिक में छपी एक खबर का हवाला देते हुए राव ने कहा कि संप्रग के शासनकाल में चार केन्द्रीय मंत्रियों ने सेना को बदनाम करने की साजिश रची थी और जनवरी 2012 में सैन्य तख्तापलट करने की साजिश की अफवाह फैलाई थी। यह देश के प्रति गद्दारी थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि अप्रैल 2012 में दि सन्डे गार्डियन में एक रिपोर्ट में लिखा गया कि सैन्य तख्तापलट की कोशिश हुई थी और हिसार मथुरा एवं अन्य स्थानों से सैन्य टुकड़ियों का मूवमेंट इसीलिए हुआ था। सेना को जलील करने का षड्यंत्र रचा गया जिसके बारे तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पूछने पर गुप्तचर ब्यूरो (आईबी) ने स्पष्ट किया था कि ऐसी कोई बात नहीं हुई थी। राज्यसभा सांसद राव ने कहा कि वह रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्य हैं और उस नाते से उन्होंने रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण और समिति के अध्यक्ष कलराज मिश्रा से मुलाकात करके इस मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने मिश्रा से कहा है कि संसद के इसी सत्र में समिति की एक बैठक बुलाएं और कुछ सदस्यों की एक अलग समिति बना कर इस विषय की छानबीन कराई जाए। रक्षा मंत्रालय एवं सेना के अधिकारियों को बुला कर सही जानकारी प्राप्त की जाए। राव ने पूछा कि कहीं ये साजिश पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर तो नहीं रची गई थी। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को भी जवाब देना चाहिए कि कहीं ये सब उनकी सहमति से तो नहीं हुआ था क्योंकि उन्होंने भी समय-समय पर सेना का अपमान करने वाले बयान दिए हैं। उल्लेखनीय है ।

कि विदेश राज्य मंत्री जनरल वी.के. सिंह इस घटना के समय सेना अध्यक्ष थे और उस समय संडे गार्डियन की रिपोर्ट में उन्हें परोक्ष रूप से सैन्य तख्तापलट का षड्यंत्रकारी बताया गया था।

चिदंबरम का दावा- आज देश में है भय का शासन

नई दिल्ली।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी चिदंबरम ने दावा किया कि आज देश में भय का शासन है और इस बात का खतरा है कि संविधान को ङ्क्षहदुत्व से प्रेरित एक दस्तावेज से बदल दिया जाएगा। पूर्व वित्त एवं गृह मंत्री ने कहा कि यह परिदृश्य राष्ट्र के संस्थापकों द्वारा दिये गए 'भारत के विचार' को खत्म कर देगा और इसे बरकरार रखने के लिये एक अन्य स्वतंत्रता आंदोलन और एक अन्य महात्मा गांधी की आवश्यकता पड़ेगी। चिदंबरम ने यह टिप्पणी अपनी नई किताब अनडांटेड‍ सेविंग द आइडिया ऑफ इंडिया'' में की है। यह किताब पिछले साल प्रकाशित उनके निबंधों का संग्रह है। राज्य सभा सदस्य के मुताबिक पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था को दुरुस्त किया जा सकता है, विभाजित समाज की खाइयों को पाट कर उसे फिर से एकजुट किया जा सकता है लेकिन एक चीज जो टूटने के बाद सही नहीं की जा सकती वह है संविधान और उस दस्तावेज में सन्निहित संवैधानिक मूल्य। चिदंबरम ने कहा कि अभी संविधान के हर मूल्य पर हमला हो रहा है चाहे वह स्वतंत्रता हो, समानता, उदारवाद, धर्मनिरपेक्षता, निजता या फिर वैज्ञानिक स्वभाव आदि। रूपा प्रकाशन द्वारा छापी गई इस किताब के प्राक्कथन में चिदंबरम लिखते हैं, च्च्इस बात का स्पष्ट और प्रत्यक्ष खतरा है कि भारत के संविधान को एक ऐसे दस्तावेज से बदल दिया जाएगा जो हिंदुत्व की विचारधारा से प्रेरित होगा। यह 'भारत के विचार' का अंत होगा जो राष्ट्र के संस्थापकों ने हमें दिया था। इस विचार को फिर से स्थापित करने के लिये एक दूसरे स्वतंत्रता संग्राम और एक और महात्मा से कम में काम नहीं चलेगा।'' चिदंबरम ने कहा, मुझे यह कहते हुए कोई हिचकिचाहट नहीं है कि आज भारत में भय का शासन है। हर व्यक्ति डर में जीता है- पड़ोसी का डर, स्वयं-भू नैतिकता के ठेकेदारों का डर, कुटिल दिमाग से कानून थोपे जाने का डर....और सबसे बड़ा भारतीय राज्य की जासूसी का डर।'' पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किताब की भूमिका लिखी है जिसमें उन्होंने संस्थानों के प्रभावों के बारे में बताया है।

कोरेगांव-भीमा दंगों ने समाज में पैदा किया विभाजनः शिवसेना

नेशनल डेस्क। शिवसेना ने बुधवार को सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद आनंद तेलतुम्बडे के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का समर्थन करते हुए पुणे में आयोजित एल्गार परिषद के सम्मेलन और आतंकवादी संगठन अल-कायदा की तुलना की। पार्टी ने कहा कि पुलिस, प्रशासन और कानून पर लगातार हमले करना, राज्य सरकार पर संदेह पैदा करना तथा लोगों का मनोबल गिराना आतंकवादी संगठन अल-कायदा की चाल होती है। शिवसेना ने मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय में तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा कि एल्गार परिषद का समर्थन कर रहे लोगों की भी यही रणनीति है। उन्होंने कहा कि दलित नेता प्रकाश आम्बेडकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आतंकवादी संगठन कहते हैं लेकिन संघ एक प्रखर राष्ट्रवादी संगठन है। तेलतुम्बडे एल्गार परिषद-कोरेगांव भीमा मामले में आरोपी हैं। पुणे पुलिस ने यह मामला दर्ज किया था। पुलिस ने उन पर माओवादियों से तार जुड़े होने का आरोप लगाया है। एक जनवरी, 2018 को महाराष्ट्र के पुणे जिले के पास कोरेगांव-भीमा गांव में हिंसक संघर्ष के बाद मामला दर्ज किया गया था। उन्हें मामले में पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था और एक सत्र अदालत के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया था। दंगों में दलितों पर हमले किये गये। बगावत के बीज बोना, इस तरह का साहित्य बनाना और उसका प्रसार करना तथा इसके लिए पैसा इकट्ठाकरना दरअसल माओवादी बुद्धिजीवियों का काम है।

ताजा बर्फबारी से रद्द हुई कश्मीर में हवाई उड़ाने

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में बुधवार सुबह से बादल छाये रहने और बारिश होने की वजह से दृश्यता कम होने के कारण श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई यातायात बाधित रहा। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया एक विमान के उड़ान को रद्द कर दिया गया है जबकि चार अन्य विमान देरी से उड़ान भरेंगे। उन्होंने बताया कि कम दृश्यता के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर बुधवार को कोई भी विमान न तो उड़ान भर सकता है और न ही उतर कर सकता है। 'गोएयर' के एक विमान की उड़ान रद्द कर दी गई है और चार अन्य विमान देर से उड़ान भरेंगे। उन्होंने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हवाई यातायात को फिर से शुरू किया जाएगा पिछले 15 दिनों के दौरान यह तीसरी बार है जब श्रीनगर हवाई अड्डे पर हवाई यातायात बाधित हुआ है। कश्मीर घाटी में अगले 48 घंटों के दौरान भारी हिमपात होने का अनुमान है जिससे हवाई यातायात और भी प्रभावित हो सकता है। भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण बुधवार सुबह श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बंद कर दिया गया है।

शहीद औरंगजेब हत्याकांड : सेना कर रही तीन जवानों से पूछताछ, हो सकता है बड़ा खुलासा

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के जवान औरंगजेब की हुई हत्या के मामले में पुलिस ने तीन जवानों को हिरासत में लिया है। खबरों के मुताबिक जिन तीन जवानों से पुलिस पूछताछ कर रही है, उन्होंने आतंकियों के लिए मुखबिरी की थी। फिलहाल अभी तक इस मामले को लेकर किसी भी अधिकारी ने पुष्टि नहीं की है। अगर नजर डालें तो आतंकियों के लिए सेना के जवानों की मुखबिरी का यह अपने आप में ऐसा पहला मामला है। पिछले साल जून महीने में भारतीय सेना के जवान औरंगजेब की हुई हत्या के मामले में सेना तीन जवानों से पूछताछ कर रही है। उस वक्त यह अंदाजा लगाया गया था कि जब वह ईद मनाने के लिए अपने घर प्राइवेट वाहन से जा रहे थे तो पुलवामा में उनका अपहरण करके आतंकियों ने हत्या कर दी। फिर सेना और पुलिस की टीम को गोलियों से छलनी उसका शव मिला था। उनके सिर और गर्दन पर गोली मारी गई थी। औरंगजेब की ही रेजिमेंट 44.आरआर के तीन जवानों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आया था कि शायद इन्होंने ही औरंगजेब की गतिविधियों के बारे में जानकारी लीक की थी। औरंगजेब को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित भी किया गया है। शहीद औरंगजेब का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी दिखा था। आतंकियों ने औरंगजब की हत्या करने से पहले उसका एक वीडियो बनाया था, जिसमें उससे उस एनकाउंटर से जुड़ी जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे थे, जिसका वह हिस्सा थे। बता दें कि औरंगजेब उस एनकाउंटर अभियान का हिस्सा थे, जिसमें आतंकी समीर टाइगर को मारा गया था और उस ऑपरेशन को अंजाम दिया था। औरंगजेब का जो वीडियो जारी किया गया, वह 1.15 मिनट था।

कांग्रेस और भाजपा की राजनीति हिंदुत्व से चलती है : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर ।

पूर्व मुख्यमंत्री और पी.डी.पी. अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच अंतर करना मुश्किल है क्योंकि दोनों ही पार्टियों की राजनीति हिंदुत्व से संचालित है। महबूबा ने एक ट्वीट में कहा कि योगी सरकार (उत्तर प्रदेश) ने मुजफ्फरनगर दंगा मामले के आरोपियों के खिलाफ मामले वापस ले लिये। मध्य प्रदेश सरकार ने गोकशी के तीन आरोपियों के खिलाफ पी.एस.ए. (एन.एस.ए) लगाया। उत्तर प्रदेश से मध्यप्रदेश तक राजनीतिक रुख धुंधले हो रहे हैं तथा कांग्रेस एवं भाजपा के बीच अंतर करना मुश्किल हो रहा है। आधुनिक भारत में हिंदुत्व वास्तविक राजनीति को चलाता है। महबूबा मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा गोकशी के एक मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने तथा उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा 2013 के मुजफ्फरनगर दंगा मामलों के 100 आरोपियों के खिलाफ 38 मामले वापस लेने की सिफारिश करने के निर्णय पर टिप्पणी कर रही थीं।

शारदा चिटफंड मामलाः राजीव कुमार की बढ़ी मुश्किलें ,सीबीआई खुद तय करेगी तारीख

कोलकाता।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को कहा कि शारदा चिट फंड घोटाले में कोलकाता के पुलिस आयुक्त राजीव कुमार से पूछताछ की तारीख और समय वही तय करेगी। उच्चतम न्यायालय के इस मामले पर दिए गए निर्देशों के बाद सीबीआई का यह रुख सामने आया है। मंगलवार को उच्चतम न्यायालय ने शारदा चिट फंड घोटाले में कोलकाता पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया था कि वह शारदा चिट फंड घोटाले में पूछताछ के लिए सीबीआई को सहयोग करें। उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कि कुमार सीबीआई की पूछताछ के लिए उपलब्ध हों। इसके बाद कुमार ने सीबीआई निदेशक ऋषि कुमार

शुक्ला को संदेश भेजकर कहा कि वह आठ फरवरी को पूछताछ के लिए तैयार हैं। सीबीआई के संयुक्त निदेशक पंकज श्रीवास्तव ने बुधवार को कहा कि कुमार से पूछताछ की तारीख और समय जांच एजेंसी तय करेगी। स्थानीय चैनल ने सीबीआई अधिकारी के हवाले से कहा कि सीबीआई अभी उच्चतम न्यायालय के आदेश का अवलोकन कर रही है। इसके बाद ही कोलकाता पुलिस आयुक्त से पूछताछ की तारीख और समय तय किया जाएगा।

सबरीमाला विवादः

उच्चतम न्यायालय ने पुनर्विचार याचिका पर अपना फैसला रखा सुरक्षित

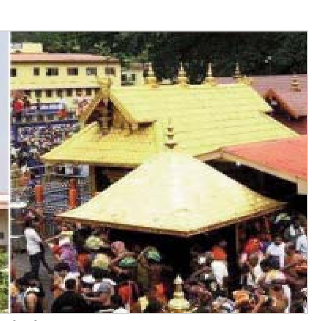

नेशनल डेस्क।

उच्चतम न्यायालय ने केरल के सबरीमला स्थित अयप्पा मंदिर में सभी आयुवर्ग की महिलाओं को प्रवेश की अनुमति संबंधी फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिकाओं पर बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर, न्यायमूर्ति रोड्क्षहगटन एफ नरीमन, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा की संविधान पीठ ने सभी संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने गत वर्ष 28 सितंबर के बहुमत के फैसले के आधार पर 10 से 50 वर्ष आयुवर्ग की महिलाओं को सबरीमला मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी थी, जिसके खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गयी थी। विभिन्न याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं- सर्वश्री के परासरन, वी गिरि, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी, शेखर नफाडे और आर वेंकटरमानी ने जिरह की। इन सभी ने दलील दी कि संवैधानिक नैतिकता धर्म-आस्था के मामलों में इस्तेमाल नहीं की जानी चाहिए। केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने पुनरीक्षण याचिकाओं का विरोध किया। उन्होंने कहा कि फैसले की समीक्षा के लिए कोई आधार नहीं दिया गया है। त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने भी फैसले की समीक्षा के लिए दायर याचिकाओं का विरोध किया। बोर्ड के रुख में बदलाव को लेकर न्यायमूर्ति मल्होत्रा ने श्री द्विवेदी से सवाल किये, जिस पर उन्होंने कहा कि बोर्ड ने संविधान पीठ के फैसले का सम्मान करने का निर्णय लिया है। मंदिर में प्रवेश करने वाली दो महिलाओं- बिंदू और कनक दुर्गा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जय सिंह ने कहा कि उनकी मुवक्किल की जान को खतरा है। लगभग चार घंटे तक चली मैराथन सुनवाई के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

गुरबानी के लिए गुरनाम सिंह का सम्मान- राष्ट्रपति ने दिया पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को जाने-माने बांसुरी वादक राजेंद्र प्रसन्ना, कथक नृत्यांगना शोभा कौसर, लोक गायक अनवर खान मांगनियार और ओडिशी नृत्यांगना सुजाता मोहपात्रा को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कारों से सम्मानित किया। राष्ट्रपति कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में 2017 के लिए पांच श्रेणियों में कुल 42 कलाकारों को पुरस्कृत किया। उन्होंने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में योगदान के लिए उमाकांत और रमाकांत गुंदेचा को संयुक्त रूप से सम्मानित किया। संगीत के क्षेत्र में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक ललित जे राव, तबला वादक योगेश सामसी, बांसुरी और शहनाई वादक राजेंद्र प्रसन्ना, कर्नाटक संगीत से जुड़ी एम एस शीला, कर्नाटक वीणा वादक सुमा सुधींद्र, कर्नाटक मृदंगम वादक तिरुवरुर वैद्यनाथन, कर्नाटक बांसुरी वादक शशांक सुब्रमण्यम, सुगम संगीत के लिए मधुरानी और हैमंती शुक्ला और गुरबानी के लिए गुरनाम सिंह को सम्मानित किया गया। नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए कुल नौ कलाकारों को पुरस्कृत किया गया।भारतनाट्यम के लिए रमा वैद्यनाथन, कथक के लिए शोभा कौसर, कथकली के लिए एम सुब्रमण्यम नंबूदिरी, मणिपुरी नृत्य के लिए आई एन ओइनम ओंगबी धोनी देवी, कुचीपुड़ी के लिए दीपिका रेड्डी, सतत्रिया के लिए रामकृष्णा तालुकदार, छऊ के लिए जन्मेजय साइबाबू तथा संगीतकार अशित देसाई को यह सम्मान दिया गया। जन्मेजय साइबाबू ने समारोह से इतर पीटीआई से कहा कि 47 साल के सतत संघर्ष के बाद यह सम्मान मिलना खुशी की बात है । इनमें नाटक लेखन के लिए अभिराम दामोदर भडकामकर, निर्देशन के लिए सुनील गणेश शानबाग और बापी बोस, अभिनय के लिए हेमा सिंह, दीपक विराट तिवारी तथा अनिल टिक्कू, मंच सज्जा के लिए ।

संक्षिप्त समाचार

मनी लांड्रिंग केसः ईडी के सामने पेश हुए रॉबर्ट वाड्रा, प्रियंका बोलीं- मैं अपने पति के साथ हूं

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता और संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा विदेश में कथित तौर पर अवैध संपत्ति रखने के सिलसिले में धन शोधन से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिये बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। वाड्रा की पत्नी प्रियंका गांधी सफेद टोयोटा लैंड क्रूजर गाड़ी में उनके साथ थीं और उनके पीछे एसपीजी के सुरक्षाकर्मियों की गाडियां थीं। उन्होंने वाड्रा को मध्य दिल्ली के जामनगर हाउस स्थित एजेंसी के दफ्तर के सामने छोड़ा और वहां से फौरन अपनी गाडियों के काफिले के साथ रवाना हो गईं। जानकारी अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी पर प्रियंका गांधी ने कहा, मैं अपने पति के साथ खड़ी हूं। वह उन्हें एजेंसी के दफ्तर तक छोड़ने आई थीं। वाड्रा करीब तीन बजकर 47 मिनट पर ईडी के दफ्तर में दाखिल हुए। उनके वकीलों का एक दल पहले ही वहां पहुंच चुका था। यह पहला मौका है जब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के जीजा वाड्रा संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के आपराधिक आरोपों के सिलसिले में किसी जांच एजेंसी के समक्ष पेश हुए हैं। वाड्रा ने पहले इन आरोपों से इनकार किया था और कहा था कि राजनीतिक बदले के लिये उनके खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली की एक अदालत ने वाड्रा को केंद्रीय जांच एजेंसी से सहयोग करने को कहा था। वाड्रा ने मामले में अग्रिम जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने उनसे लंदन से लौटने के बाद बुधवार को ईडी के समक्ष पेश होने के कहा था।

पुलवामा में सुरक्षाबलों ने घेरे आतंकी, मुठभेड़ शुरू

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। बुधवार को पुख्ता जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने लित्तर के चकूरा गांव में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने वार्निंग के तौर पर कुछ हवाई फायर किये जिसके बाद छिपे हुये आतंकियों ने भी जवाबी गोलीबारी की और मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका। फिलहाल मुठभेड़ जारी है और पूरे इलाके को घेर लिया गया है।

चेन्नई के इस रेस्तरां में रोबोट बोलते हैं ऐसे सर्व करते हैं खाना

नेशनल डेस्क । तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक रेस्तरां खूब सुर्खियां बटौर रहा है। इसकी खासियत है कि यहां ग्राहकों को वेटर नहीं बल्कि रोबोट खाना परोस रहे हैं। दरअसल चेन्नई के पोरुर में पहला रोबोट रेस्टोरेंट' खुल चुका है जहां रोबोट कस्टमर्स को आकर कह रहे हैं, ऑर्डर प्लीज । इस खास रेस्तरां में रोबोट अंग्रेजी और तमिल में भी ऑर्डर लेंगे। यही नहीं रिसेप्शन पर भी रोबोट को ही बिठाया गया है। वह हर टेबल पर मेन्यू रखते हैं और फिर खाने का आर्डर लेने के बाद इसे किचन में भेज दिया जाता है। इन रोबोट्स को ऑपरेट करने के लिए होटल स्टाफ को ट्रेनिंग दी गई है। इमरजेंसी के दौरान वह स्टाफ रोबोट्स की मदद करेंगा। रेस्टोरेंट के जनरल मैनेजर कैलाश ने बताया कि इंडिया में इस रेस्टोरेंट के तीन ब्रांच हैं। यहां काम करने वाले रोबोट्स कस्टमर्स से बातचीत करेंगे और और टेबल नंबर के बारे में उन्हें गाइड करेंगे। इस रेस्टोरेंट में नीले और सफेद रंगों के सात रोबोट की टीम काम कर रही है। विशेष रूप से तैयार किए गए इन रोबोट्स की कीमत 5 लाख रुपए है।

कांग्रेस छोड़ने के बाद बीजद में शामिल हुए पूर्व विधायक जोगेश सिंह

नेशनल डेस्क। ओडिशा के पूर्व विधायक जोगेश सिंह कांग्रेस से इस्तीफा देने के तीन सप्ताह बाद बुधवार को सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) में औपचारिक रूप से शामिल हो गए। सुंदरगढ़ विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व विधायक का स्वागत करते हुए पटनायक ने कहा कि सिंह के पार्टी में शामिल होने से आदिवासी बहुल सुंदरगढ़ में बीजद और मजबूत होगी। सिंह सत्तारूढ़ बीजद में ऐसे दिन शामिल हुए हैं जब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी कालाहांडी जिले के भवानीपटना और सुंदरगढ़ जिले राउरकेला में रैलियों को संबोधित करेंगे। ओडिशा में विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ होंगे। सिंह ने कहा कि वह सुंदरगढ़ के तीव्र विकास और उसके लोगों के कल्याण के लिए नवीन पटनायक के नेतृत्व में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। पूर्व विधायक ने 18 जनवरी को 'नैतिक आधार' पर कांग्रेस अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेजा था। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति (ओपीसीसी) ने कथित पार्टी विरोधी टिप्पणियां करने के आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया था जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।पार्टी ने सिंह को कांग्रेस से निलंबित कर दिया था। उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से बीजद अध्यक्ष और ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक की प्रशंसा की थी। इसके बाद, उन्होंने 22 जनवरी को ओडिशा विधानसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था।

संपादकीय

उच्च शिक्षा में सुधरती रैंकिंग

लंदन स्थित एक वैश्विक संगठन टाइम्स हायर एजुकेशन की इमर्जिंग इकोनॉमीज यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2019 में भारत के 49 संस्थानों ने जगह बनाई है। पिछले साल यह संख्या 42 थी। हालांकि, अब भी उच्च शिक्षा में सुधार के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। मसलन शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकना होगा। प्रशिक्षित अध्यापकों की नियुक्ति के साथ संस्थानों को आवश्यक संसाधन मुहैया कराने होंगे। तब भारत और भी समृद्ध हो जाएगा।

यह शुभ संकेत है कि उच्च शिक्षा के मामले में दुनिया में भारत की स्थिति अब पहले से बेहतर हुई है। लंदन स्थित एक वैश्विक संगठन टाइम्स हायर एजुकेशन की हाल ही में जारी इमर्जिंग इकोनॉमीज यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 में भारत के 49 संस्थानों ने जगह बनाई है। पिछले साल यह संख्या 42 थी। रैंकिंग पर नजर डालें तो सूची में शीर्ष 200 संस्थानों में भी भारतीय विश्वविद्यालय बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं और पिछले वर्ष के 17 संस्थानों से बढ़कर यह संख्या 25 हो गई है। इस रैंकिंग में 14वें पायदान पर भारतीय विज्ञान संस्थान यानी आईआईएससी बेंगलुरु भारत में शीर्ष पर है। इसी तरह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई 27वें स्थान पर है, लेकिन गौर करें तो यह दोनों ही संस्थान इस वर्ष की रैंकिंग में एक पायदान नीचे खिसके हैं। यानी रैंकिंग गिरी है। लेकिन अच्छी बात यह है कि आईआईटी रुड़की 21 पायदान की छलांग लगाते हुए पहली बार 35वें स्थान पर पहुंचा है। वहीं दूसरी ओर काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और एमिटी यूनिवर्सिटी भी इस वर्ष शीर्ष 150 में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। इसी तरह भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे और आईआईटी हैदराबाद पहली बार शीर्ष 150 संस्थानों में शामिल हुए हैं।

निःसंदेह उच्च शिक्षा में भारत की स्थिति सुधरी है और रैंकिंग धारक इन भारतीय संस्थानों ने उभरती अर्थव्यवस्था के बीच वैश्विक स्तर पर अपार क्षमता का प्रदर्शन किया है। गौर करें तो वैश्विक जगत के मामले में भारत की रैंकिंग अब भी काफी कमजोर है। इसे समझने के लिए रैंकिंग पर दृष्टिपात करें तो वैश्विक स्तर पर चीन की शिंघुआ यूनिवर्सिटी शीर्ष पायदान पर है। सूची में चीन के सबसे अधिक 72 संस्थान रैंकिंग में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। चीन की ही पीकिंग यूनिवर्सिटी व जिहांग यूनिवर्सिटी दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। यूनिवर्सिट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफचाइना चौथे व मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी रैंकिंग में पांचवे पायदान पर है। इसका सीधा तात्पर्य यह है कि भारत में उच्च शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार की जरुरत है। अच्छी बात यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें शिक्षा में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में ठोस प्रयास जारी है। उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए आवश्यक है कि सकल दाखिला अनुपात बढ़ाने के साथ रिक्त पड़े पदों को भरा जाए और उच्च शिक्षा का बजट बढ़ाया जाए।

यह सही है कि उच्च शैक्षिक संस्थानों को आधुनिकता से लैस किए बिना बेहतर उत्पाद हासिल नहीं किया जा सकता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 'उच्च एवं तकनीकी शिक्षा आंकड़े' पर गौर करें तो उच्च शिक्षा में छात्रों का सकल दाखिला अनुपात 18 से 23 वर्ष की आबादी में महज 20 फीसद के आसपास है जो कि वैश्विक लिहाज से बहुत कम है। गत वर्ष यूनेस्को सांख्यिकी संस्थान द्वारा प्रकाशित वैश्विक शिक्षा डाईजेस्ट की रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ कि चीन में यह आंकड़ा 26 फीसद, थाईलैंड में 48 फीसद व मलेशिया में 40 फीसद है। इससे जाहिर होता है कि भारत में उच्च शिक्षा में सुधार की रफ्तार धीमी है जबकि शिक्षा पर होने वाला व्यय सकल घरेलू उत्पाद का 3.98 फीसदी तक जा पहुंचा है। दाखिले के अलावा शोध कार्यों में भी भारत की स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। गौर करें तो दुनिया के विकसित देशों में प्रति 10 लाख में 5000 छात्र शोध कार्य में संलग्न हैं। स्कैंडिनेवियाई देशों में यह संख्या 7000 के आसपास है, जबकि भारत में 250 के आसपास। यह स्थिति उच्च शिक्षा के लिए गंभीर चुनौती है।

यह स्वाभाविक है कि जब उच्च शिक्षा में नामांकन की दर कम होगी तो शोध कार्य करने वाले भी कम होंगे। शिक्षाविदों का मानना है कि अगर भविष्य में भारत को सकल दाखिला अनुपात का लक्ष्य 30 फीसद हासिल करना है और शोध छात्रों की संख्या बढ़ानी होगी वहीं आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालयों का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के साथ-साथ आठ सौ विश्वविद्यालयों और 35 हजार कॉलेजों की स्थापना करनी होगी। मौजूदा समय में देश में करीब 600 के आसपास विश्वविद्यालय और 25 हजार कॉलेज हैं, लेकिन इनसे उच्च शिक्षा की सुलभता साकार नहीं हो रही है। मौजूदा समय में उच्च शिक्षण संस्थानों के समक्ष जो सबसे बड़ी समस्या है, वह अध्यापकों की कमी और जरूरी संसाधनों का अभाव है। गौर करें तो आज की तारीख में देश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में तकरीबन 45 फीसद से 52 फीसद शिक्षकों के पद रिक्त हैं। इनमें 42 फीसद प्रोफेसरों के पद और 48 फीसद रीडरों के पद रिक्त हैं। इसी तरह 49 फीसदी पद लेक्चरर के पद कॉलेजों में रिक्त पड़े हैं।

एक आंकड़े के मुताबिक, 51 से 70 फीसद शिक्षकों के सहारे पठन-पाठन का काम चलाया जा रहा है। यहीं नहीं भारी पैमाने पर शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भी कमी है, लेकिन इन रिक्त पदों पर नियुक्ति के बजाए आउटसोर्स के जरिए काम चलाया जा रहा है। जबकि गौर करें तो प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालयों और कालेजों में छात्रों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। सवाल उठना लाजिमी है कि जब विश्वविद्यालयों और कालेजों में शिक्षकों और जरूरी संसाधनों का अभाव रहेगा तो फिर सुचारू ढंग से पठन-पाठन का कार्य कैसे संपादित होगा? भारत में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति कितनी बदहाल है इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के 70 फीसद निरक्षर वयस्क नौ देशों में रहते हैं और उनमें सर्वाधिक 24.74 फीसद भारत में हैं। उच्च शिक्षा के संदर्भ में भारत में शिक्षा पर अत्यंत कम खर्च किया जा रहा है। आज विकसित देशों में उच्च शिक्षा पर जहां कुल बजट का छह से सात फीसद खर्च किया जाता है वहीं भारत आज भी अपनी राष्ट्रीय आय का मात्र 0.42 फीसद धन खर्च करता है। जबकि ज्ञान आयोग द्वारा सुझाव दिया जा चुका है कि शिक्षा पर व्यय को राष्ट्रीय आय के 1.5 फीसदी के बराबर होना चाहिए। समझना कठिन है कि भला इस सीमित बजट के सहारे उच्च शिक्षा के लक्ष्य को कैसे हासिल किया जा सकेगा और किस तरह भारतीय शैक्षिक संस्थान वैश्विक रैंकिंग में जगह बनाएंगे। उच्च शिक्षा में बेहतर नतीजे हासिल करने के लिए राष्ट्रीय आय का छह से आठ फीसद खर्च किया जाना जरूरी है।

सैम पैत्रोदा की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की रिपोर्ट में कहा गया था कि अगर उच्च शिक्षा के प्रति निराशा इसी तरह बनी रही तो 30 फीसद का लक्ष्य हासिल करना बेहद कठिन होगा। आयोग द्वारा यह अनुमान लगाया गया था कि 2015 के अंत तक छात्रों की संख्या दोगनी हो चुकी होगी। गौर करें तो आज की तारीख में यह संख्या तीन गुनी से भी पार जा चुकी है। याद होगा गत वर्ष पहले राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की रिपोर्ट में भी उच्च शिक्षा में सुधार के लिए कई सुझाव दिए गए थे लेकिन उन सुझावों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उच्च शिक्षा में सुधार के लिए आयोग ने सुझाव दिया था कि विश्वविद्यालयों को संबद्ध महाविद्यालयों की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए महाविद्यालयों को स्वायत्तता प्रदान की जाए। लेकिन दिलचस्प पहलू यह रहा कि इन सुझावों पर गौर फरमाने के बजाए राज्य सरकारें धड़ाधड़ महाविद्यालयों को खोल रही हैं और उन्हें विश्वविद्यालयों से संबंद्ध कर उन पर अतिरिक्त बोझ लाद रही हैं। आज कुकुरमुत्ते की तरह उग आए इन महाविद्यालयों में न तो प्रशिक्षित शिक्षित हैं और न ही प्रायोगिक कार्यों के लिए जरूरी संसाधन। एक आंकड़े के अनुसार आज 85 प्रतिशत इंजीनियरिंग व 40 प्रतिशत मेडिकल कालेज निजी क्षेत्र के हैं और उन पर सरकारों का किसी तरह का नियंत्रण नहीं है। लिहाजा महाविद्यालयों का लक्ष्य उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के बजाए अवैध वसूली तक सिमटकर रह गया है, जो स्थिति को बिगाड़ रहा है।

अभिजीत मोहन
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

विचार

सदन की मर्यादा बनी रहना जरूरी

हमारे सांसदों व विधायकों के गलत आचरण का गवाह एक बार फिर उत्तरप्रदेश की विधानसभा बनी है। जहां सपा-बसपा के विधायकों ने हंगामा किया एवं राज्यपाल पर कागज के गोले भी फेंके। यह गलत है। सदन की मर्यादा बनाए रखना माननीयों की जिम्मेदारी होती है।

लोकसभा हो या फिर विधानसभा, सभी जगह हमारे सांसदों और विधायकों से यही अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आचरण से ऐसा उदाहरण पेश करेंगे, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय होगा और लोकतंत्र की गरिमा भी बची रहेगी। मगर समय-समय पर इस तरह का वातारवण निर्मित हो जाता है, जो न सिर्फ पूरे देश के लिए शर्मसार होता है, बल्कि यह सोचने पर भी विवश कर देता है कि आखिर हमने किस तरह के जनप्रतिनिधियों का चयन किया है। हमारे सांसदों और विधायकों के गलत आचरण का गवाह एक बार फिर उत्तरप्रदेश की विधानसभा बनी है। जहां मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। यहां राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के विधायकों ने हाथों में पोस्टर लेकर बवाल किया। विधानसभा के अंदर दोनों पार्टी के विधायक जब वेल में जाकर हंगामा कर रहे थे तभी राज्यपाल पर कागज के गोले भी फेंके गए। विधायकों के इस बवाल के दौरान सपा के एक सदस्य बेहोश भी हो गए। यूपी विधानसभा में इस तरह की तस्वीर कोई पहली बार नहीं दिखी है। इससे पहले सदस्यों के बीच हिंसा तक पूरा देश देख चुका है। मगर इससे हमारे माननीयों को आज तक कोई फर्क नहीं पड़ा है।

उत्तर प्रदेश में जो कुछ भी हुआ वह बेहद अमर्यादित और असंसदीय था। जिन माननीयों पर लोकतंत्र की रक्षा का भार है वही इसके चीरहरण में जुटे हैं। वैसे उत्तरप्रदेश में जो कुछ हुआ वह ज्यादातर विधानसभा में देखने को मिलने लगा है। इस मर्यादित व्यवहार से अब संसद तक अछूती नहीं रही है। सदन में मिर्च स्प्रे व चाकू तक निकल चुके हैं। बहरहाल, विपक्ष पर हमले तेज करना और सरकार को घेरना कोई नई और अमर्यादित बात नहीं लेकिन इन दिनों यह सब जिस ढंग से किया जा रहा है उसे देख-सुन कर सिर शर्म से झुक जाता है। कोई जनप्रतिनिधि अपनी तमाम मर्यादा को तिलांजलि देकर विधानसभा में राज्यपाल पर कागज के गोले फेंकने लगे और कुर्सी-मेज पर चढ़ कर शर्मिंदा कर देने वाली भाषा का इस्तेमाल करने लगे तथा मूल समस्या से हटकर सड़कछाप लोगों की तरह चीखने-चिल्लाने लगे और राज्यपाल की गरिमा को भी तार-तार कर दे तो इसे हम किस नजरिए से लोकतंत्र कहेंगे।

संसद और विधानसभा दोनों ही लोकतंत्र के मंदिर हैं, पर इन दोनों जगहों पर आजकल जिस ढंग से विपक्ष ने अमर्यादित व्यवहार को अपना मूलमंत्र बना लिया है उससे लोकतंत्र की गरिमा तो तार-तार हो ही रही है जनप्रतिनिधियों पर भी सवालिया निशान खड़ा होने लगा है। पहले के जनप्रतिनिधि बेहद पढ़ते-लिखते थे और यही वजह थी कि किसी भी विषय पर उनकी बहस, उनका पक्ष और उनकी जानकारी बड़ी सार्थक और सकारात्मक होती थी। एक स्वस्थ और मर्यादित लोकतांत्रिक व्यवस्था को बरकरार रखना है तो अविलंब इन सब पर सख्त कदम उठाना होगा और लगाम भी लगानी होगी।

दहेज हत्या-घरेलू हिंसा चिंतनीय

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) द्वारा प्रकाशित नए अनुसंधान के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में लगभग 87 हजार महिलाएं मारी गईं, जिनमें बड़ी तादाद भारतीय महिलाओं की रही। मौत की बड़ी वजह दहेज और घरेलू हिंसा है। यह प्रवृत्ति इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि लोगों में कानून और कड़ी सजा का भय नहीं है। लिहाजा सरकार दहेज प्रथा के समूल नाश और घरेलू हिंसा को रोकने के लिए कड़े प्रावधान बनाए।

यह विचलित करने वाला है कि दहेज रोकथाम के कड़े कानून के बाद भी महिलाओं की हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मादक पदार्थ एवं अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) द्वारा प्रकाशित नए अनुसंधान के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में लगभग 87 हजार महिलाएं मारी गईं, जिनमें एक बड़ी तादाद भारतीय महिलाओं की रही। रिपोर्ट पर गौर करें तो करीब 50 हजार यानी 58 प्रतिशत महिलाओं की हत्या उनके करीबी साथी अथवा परिजनों द्वारा की गई। अध्ययन से यह भी खुलासा हुआ है कि हर घंटे तकरीबन छह महिलाएं परिचितों के हाथों मारी जाती हैं जिनमें एक प्रमुख कारण दहेज है। भारत की स्थिति पर गौर करें तो 2016 में महिला हत्या दर 2.8 प्रतिशत थी जो कि अन्य पिछड़े देशों जैसे केन्या (2.6), तंजानिया (2.5), जार्डन (0.8) व तजाकिस्तान (0.4 प्रतिशत) से अधिक है।

रिपोर्ट से यह भी उद्घाटित हुआ है कि भारत में 15 से 49 वर्ष उम्र की 33.5 प्रतिशत महिलाओं और लड़कियों ने व पिछले एक साल में 18.9 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवन में कम से कम एक बार हिंसा का सामना जरूर किया है। भारत में दहेज से संबंधित हत्याओं का मामला कितना गंभीर है वह राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के इस आंकड़े से उजागर हो जाता है कि दहेज से संबंधित हत्या के मामले महिलाओं की हत्या के सभी मामलों का 40 से 50 प्रतिशत है। खतरनाक बात यह है कि इसमें 1999 से 2016 के दौरान एक स्थिर प्रवृत्ति देखी गई। तात्पर्य यह हुआ कि सरकार द्वारा 1961 में लागू दहेज विरोधी कानून बेअसर साबित हो रहा है और देश में दहेज के मामले बढ़ रहे हैं। जबकि दहेज लेना-देना 1961 से कानून अपराध है। दहेज का अर्थ है जो संपत्ति विवाह के समय वधु के परिवार की तरफ से वर को दी जाती है। भारत में इसे दहेज, हुंडा या वर-दक्षिणा के नाम से जाना जाता है।

गौर करें तो आज के आधुनिक समय में भी दहेज प्रथा नाम की बुराई सर्वत्र फैली हुई है। पिछड़े भारतीय समाज में तो यह प्रथा और भी विकराल रूप में है। यद्यपि प्राचीन समय से ही पिता द्वारा अपनी कन्या को उपहार इत्यादि देने का प्रचलन था। परंतु उपहार देने की इस परंपरा में कोई विवशता नहीं होती थी। दोनों पक्ष के सगे-संबंधी वर-वधु का घर बसाने के उद्देश्य से स्वेच्छा से उन्हें भेंट दिया करते थे। तब यह कुरूपता धारण नहीं की थी। किंतु आगे चलकर राजाओं, जमींदारों व धनाढ्यों ने स्वेच्छा से दी जाने वाली इस भेंट को बढ़ा-चढ़ाकर दहेज के रूप में परिवर्तित कर दिया। उनके लिए बढ़-चढ़कर दहेज लेना और देना शान-ओ-शौकत बन गया। यह धीरे-धीरे यह कुरूपता समाज के सभी वर्गों में फैल गई और यह अब प्रथा महिलाओं की जिंदगी पर भारी पड़ने लगी है। आज दहेज की मांग से ऐसा प्रतीत होता है मानों विवाह न होकर कोई सौदा हो रहा है। अकसर देखा जाता है कि जब वधु पक्ष-वर पक्ष के मनमुताबिक दहेज नहीं दे पाता है तो वर पक्ष के सदस्य वधु पर जुल्म ढाना शुरू कर देते हैं। आज उसी का कुपरिणाम है कि देश में औसतन हर घंटे में एक महिला मौत का शिकार बनती है। दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह कि यह आंकड़ा कम होने के बजाए लगातार बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2007 से 2011 के बीच इस प्रकार के मामलों में वृद्धि देखी गई।

दहेज विरोधी-1961 के कानून के मुताबिक दहेज लेन-देने या इसमें सहयोग करने पर पांच वर्ष की कैद और 15 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान है। दहेज के लिए उत्पीड़न करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए जो कि पति और उसके रिश्तेदारों द्वारा संपत्ति अथवा कीमती वस्तुओं के लिए अवैधानिक मांग के मामले से संबंधित है, के अंतर्गत तीन साल की कैद और जुर्माना हो सकता है। धारा 406 के अंतर्गत लड़की के पति व ससुराल वालों के लिए 3 साल की कैद अथवा जुर्माना या दोनों (यदि वे लड़की के स्त्रीधन को उसे सौंपने से मना करते हैं) का प्रावधान है। इस कानून में यह भी प्रावधान है कि यदि किसी लड़की के विवाह के सात साल में असामान्य परिस्थितियों में मौत होती है और यह साबित कर दिया जाता है कि मौत से पहले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था तो भारतीय दंड संहिता की धारा 304-बी के अंतर्गत लड़की के पति और रिश्तेदारों को कम से कम सात साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा हो सकती है, लेकिन यह सच है कि दहेज लेने-देने की कुप्रवृत्ति आज भी जारी है। याद होगा महिला एवं विकास मंत्रालय ने साल 2015 में संसद में एक सवाल के जवाब में कहा था कि पिछले तीन साल में हर साल 8000 से ज्यादा महिलाओं की मौत दहेज की वजह से हुई।

मौजूदा महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने लिखित ब्यौरा प्रस्तुत किया है जिसके मुताबिक पिछले तीन सालों में 24 हजार 771 महिलाओं की मौत दहेज के कारण हुई है। उनके मुताबिक पिछले तीन सालों में आठ लाख से भी ज्यादा मामले धारा 304-बी के तहत दर्ज हुए। आंकड़ों पर गौर करें तो दहेज प्रथा के कारण हुई मौतों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। दूसरे नंबर पर बिहार और तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश है। घरेलू हिंसा को देखें तो राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े के अनुसार 3.48 लाख मामले पति और परिवार पर दर्ज हुए हैं। देश में सबसे अधिक घरेलू हिंसा पश्चिम बंगाल में हुई। दूसरे नंबर पर राजस्थान और तीसरे नंबर पर आंध्रप्रदेश है। घरेलू हिंसा के मामले में गत वर्ष यूनिसेफ की एक रिपोर्ट 'हिडेन इन प्लेन साइट' से उद्घाटित हुआ कि भारत में 15 साल से 19 साल की उम्र वाली 34 प्रतिशत विवाहित महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने अपने पति या साथी के हाथों शारीरिक या यौन हिंसा झेली हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 15 साल से 19 साल तक की उम्र वाली 77 प्रतिशत महिलाएं कम से कम एक बार अपने पति या साथी के द्वारा यौन संबंध बनाने या फिर अन्य किसी यौन क्रिया में जबरदस्ती का शिकार हुई हैं। इसी तरह 15 से 19 साल की उम्र वाली 21 प्रतिशत महिलाओं ने 15 साल की उम्र से ही हिंसा झेली हैं। 15 से 19 साल के उम्र समूह की 41 फीसदी लड़कियों ने 15 साल की उम्र से अपनी मां या फिर सौतेली मां के हाथों शारीरिक हिंसा झेली हैं जबकि 18 प्रतिशत ने पिता या सौतेले पिता के हाथों हिंसा झेली है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जिन लड़कियों की शादी नहीं हुई, उनके साथ शारीरिक हिंसा करने वालों में पारिवारिक सदस्य, मित्र, जान-पहचान के व्यक्ति और शिक्षक थे। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष एवं वाशिंगटन स्थित संस्था 'इंटरनेशनल सेंटर पर रिसर्च ऑन वूमेन' से भी उजागर हो चुका है कि भारत में 10 में से 6 पुरुषों ने कभी न कभी पत्नी के साथ हिंसक व्यवहार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रवृत्ति उन लोगों में ज्यादा है जो आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 52 प्रतिशत महिलाओं ने स्वीकारा है कि उन्हें किसी न किसी तरह हिंसा का सामना करना पड़ा है। इसी तरह 38 प्रतिशत महिलाओं ने घसीटे जाने, पिटाई, थप्पड़ मारे जाने तथा जलाने जैसे शारीरिक उत्पीड़नों का सामना करने की बात कही है। गौर करें तो महिलाओं के उत्पीड़नकर्ताओं के मन में सजा का भय है ही नहीं लिहाजा उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। समय आ गया है कि सरकार दहेज प्रथा के समूल नाश और घरेलू हिंसा को रोकने के लिए कड़े प्रावधान बनाए ताकि देश की आधी आबादी सम्मान से जी सके।

रीता सिंह
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

जिस तरीके से राज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की गई और कागज के गोले फेंके गए, वह निंदनीय है। इस दुर्व्यवहार की हम जमकर आलोचना करते हैं।

योगी आदित्यनाथ, सीएम यूपी

यूपी की भाजपा सरकार हर सीमा को पार कर काम कर रही है और ऐसा माहौल बना रही है, जिससे लगे कि विपक्ष काम नहीं करने दे रहा है। हम पर आरोप गलत हैं।

अखिलेश यादव, पूर्व सीएम यूपी

सत्यार्थ

दुखों का कारण पहचानें

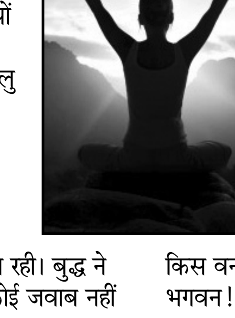

एक बार भगवान बुद्ध एक गांव में कुछ दिन के लिए ठहरे। अकसर गांव के लोग एकत्रित होकर उनके उपदेश सुना करते थे। एक दिन जीवन के विविध विषयों पर चर्चा चल रही थी। तभी बुद्ध की नजर चुपचाप बैठे एक श्रद्धालु पर पड़ी। उसके चेहरे पर उदासी झलक रही थी। बुद्ध ने उससे पूछा- क्या बात है? आप इतने उदास क्यों हो? वह बोला- मैं बहुत दुखी हूं, लेकिन दुख के निवारण की कोई युक्ति नहीं सूझ रही। बुद्ध ने पूछा- क्या दुख है? श्रद्धालु ने कोई जवाब नहीं दिया। फिर बुद्ध ने कुछ सोचकर कहा-दुख को गहराई से देखो। श्रद्धालु पूछने लगा- वह कैसे तथागत? बुद्ध बोले-जाओ जंगल से कुछ अंकुरित पौधे उखाड़ कर ले आओ, जिनमें सिर्फ दो-चार पत्तियां ही उगी हों, पर ध्यान रखना, वे पौधे अलग-अलग किस्म के हों। श्रद्धालु जंगल गया और कुछ पौधे उखाड़ कर ले आया। बुद्ध ने एक पौधा उसके हाथ में पकड़ाया और उसकी एक पत्ती पकड़कर पूछने लगे- यह किस वनस्पति का पौधा है? श्रद्धालु ने कहा- भगवन! मालूम नहीं, ये पत्तियां अभी ठीक से विकसित नहीं हुई हैं। अभी इनके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। तब बुद्ध बोले- इस पौधे की गुठली देखो। श्रद्धालु ने गुठली हाथ में ली और देखकर कहा- यह तो निमोली है। फिर बुद्ध ने दूसरे पौधे की गुठली हाथ में पकड़े हुए पूछा- यह किसकी है? श्रद्धालु बोला- यह बेर है। बुद्ध ने तीसरे पौधे की गुठली दिखाते हुए पूछा, तो श्रद्धाल ने जवाब दिया-यह जामुन है। बुद्ध बोले- ऐसे ही हर दुख का भी बीज होता है। दुख के बीज पहचानो। जड़ तक गए बिना किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता है। बुद्ध की यह बात सुनते ही श्रद्धालु को अपने दुख दूर करने की युक्ति समझ में आ गई।

ललित गर्ग

मिढडा को मिलेगा जींद के रण में जीत का तोहफा, किसी बोर्ड का चेयरमैन बनाने की तैयारी

चंडीगढ़। जाटलैंड जींद में पहली बार कमल खिलाने वाले डॉ. कृष्ण मिढ़ा को प्रदेश सरकार किसी बोर्ड या निगम का चेयरमैन बना सकती है। विधानसभा उपचुनाव में मिढ़ा की शानदार जीत को भाजपा मिशन-2019 की तैयारियों से जोड़कर देख रही है। पिता स्व. डॉ. हरिचंद मिढ़ा की राजनीतिक विरासत संभालने वाले डॉ. कृष्ण मिढ़ा बुधवार को विधायक पद की शपथ लेंगे। इसके बाद किसी भी दिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल उन्हें सरकार में फिट करते हुए बड़ा तोहफा दे सकते हैं। मंगलवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह में कैबिनेट मंत्रियों प्रो. रामबिलास शर्मा, कैप्टन अभिमन्यु, कृष्ण लाल पंवार, हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष सुभाष बराला और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि चुनावी साल में भाजपा की जीत का श्रीगणेश हो गया है। अपनी माता विद्या देवी और पारिवारिक सदस्यों के साथ अभिनंदन समारोह में पहुंचे डॉ. कृष्ण मिढ़ा ने कहा कि वे अपने पिता के सपनों को साकार करने का हर संभव प्रयास करेंगे। इस दौरान इनेलो के श्रमिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विद्यानंद लांबा, राधेश्याम जुलाना, अशोक व जगदीश आहूजा ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। नवनिर्वाचित विधायक के साथ कार्यक्रम में पहुंच पूर्व सांसद सुरेंद्र बरवाला, कंडेला खाप के पूर्व प्रधान टेक राम कंडेला, जींद के भाजपा अध्यक्ष अमरपाल राणा ने पार्टी की एकजुटता दिखाई।

ट्राले और ब्रेजा गाड़ी में भीषण टक्कर, कार सवार दो की मौत, तीन गंभीर

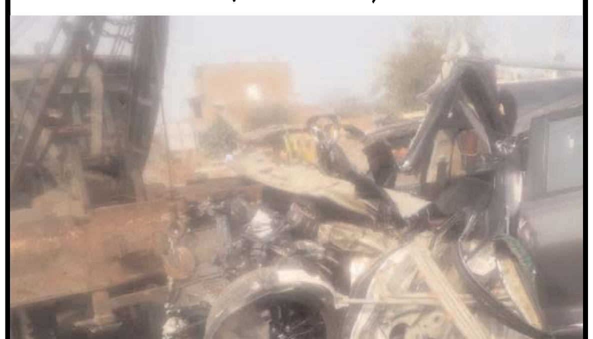

हिसार। मंगलवार को सुबह करीब 10-30 बजे मय्यड़ के पास एक ट्राले और ब्रेजा गाड़ी में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हांसी की ओर से हिसार आ रही ब्रेजा गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई तो वहीं पीछे बैठे अन्य तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची वहीं मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों को सिविल अस्पताल में रखवा दिया गया है, वहीं अन्य तीन का इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक कार सवार पांचों युवकों हांसी के रहने वाले थे। वहीं मरने वाले युवकों के नाम 39 वर्षीय ईश्वर कुमार तनेजा, 36 वर्षीय भारतभूषण नागपाल है। वहीं घायलों में फतेहबाद राजस्व विभाग के खजांची श्यामलाल, ओपी नंदा व वीरेंद्र शामिल हैं। इनमें चार युवक फतेहाबाद कोर्ट में तैनात थे जबकि श्यामलाल राजस्व विभाग में कार्यरत था। गाड़ी श्यामलाल की थी और प्रतिदिन इस गाड़ी में यह पांचों युवक फतेहबाद जाते और आते थे। मगर आज मय्यड़ के पास पहुंचते ही यह हादसा हो गया।चश्मदीदों ने बताया कि ट्राला चालक ट्राले को छोड़कर मौके से भाग निकला। उन्होंने बताया कि ट्राला चालक खरड़ रोड की ओर जाने वाला था, आगे निकलने पर उसने जैसे ही ट्राले को एक दम से बैक किया किया तो पीछे से आ रही ब्रेजा गाड़ी की टक्कर हो गई। ब्रेजा कार चालक को ट्राले को बैक किये जाने का अंदेशा नहीं था ऐसे में हो सकता है कि वो समय रहते स्थिति को भांप नहीं पाए। वहीं पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, परिजनों के बयान के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सुबह देख लेने की दी धमकी, दोपहर में 10वीं के छात्र ने 12वीं के छात्र की चाकू घोंप की हत्या

भूना/अग्रोहा, । किशोर अवस्था की नासमझी कई बार इस तरह से नुकसानदायी साबित होती है कि पूरी जिंदगी ही दांव पर लग जाती है। एक ऐसा ही मामला सामने आया है। फतेहाबाद के गांव जांडली कलां के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो छात्रों के बीच हुए विवाद में एक ने दूसरे के पेट में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद स्कूल प्रशासन में हड़कंप मच गया। स्कूल स्टाफ ने हमलावर छात्र को पुलिस के हवाले कर दिया है। गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एतिहायत के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना सोमवार दोपहर 2 बजे की है। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नॉन बोर्ड की मासिक परीक्षा चल रही थी। दसवीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र का 12वीं कक्षा के छात्र 19 वर्षीय बिंटू से गत सप्ताह से विवाद चल रहा था। सोमवार को 10वीं के छात्र ने अपने बैग से चाकू निकाला और कुछ ही दूरी पर 12वीं कक्षा के बाहर बरामदे में बैठे बिंटू के पेट में घोंप दिया। उसने बिंटू पर 2-3 बार चाकू से प्रहार किया। चीख-पुकार सुन दर्जनों छात्र और स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंच गया। उन्होंने हमलावर छात्र के चंगुल से बिंटू को छुड़वाया। लहूलुहान हालत में बिंटू को भूना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल करवाया गया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे अग्रोहा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। अग्रोहा में उपचार के दौरान बिंटू ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने नाबालिग छात्र को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। डीएसपी जगदीश काजला ने कहा कि जांडली कलां में एक छात्र ने दूसरे छात्र पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी है। पुलिस गहनता से जांच कर रही है। रमन ने बताया कि वे दोनों भाई सुबह स्कूल में जा रहे थे। तब हत्या करने वाला दसवीं कक्षा का छात्र हमें मिला था। उसने बिंटू को जान से मारने की धमकी दी थी। हमने उस बात को हल्के में लिया। दसवीं कक्षा के छात्र ने दो बजे वारदात कर डाली। उसने बताया कि बिंटू और दसवीं कक्षा के छात्र की कुछ अरसे पहले किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। वह तभी से मन में रंजिश पाले हुए था।

शिविर में 103 यूनिट रक्त एकत्रित

होडल। पुरानी जीटी रोड स्थित श्रीवैश्य अग्रवाल भवन में अग्रोहा हैल्थ क्लब एवं जिला रेडक्रास सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 103 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रधान रंजना सिंगला, रामकिशन गोयल, भोजराज गर्ग, शालू बंसल, संजय, कुलदीप नांग, भरत गोयल, रोहित जैन व मेघराज आदि द्वारा रक्तदाताओं को बैच लगाकर सम्मानित किया गया।

चप्पल को बनाया स्मार्टफोन, मासूमों की वायरल फोटो पर बालीवुड स्टार्स का भी आया दिल

हिसार। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक फोटो ने इन दिनों सबका मन मोह लिया है। इस फोटो में पांच बच्चे सेल्फी लेते हुए नजर आ रहे हैं। मगर सेल्फी लेने वाले बच्चे के हाथ में फोन नहीं बल्कि एक चप्पल है। मगर बच्चों के चेहरे पर जिस तरह की स्माइल है उसे देख जरा भी नहीं लग रहा कि बच्चे चप्पल में ही सेल्फी लेने को पोज बना रहे हैं। अलग-अलग फोटो कैप्शन लिख कर सोशल मीडिया यूजर तो इस फोटो को अपलोड कर ही रहे हैं। मगर वहीं बड़ी बात ये है कि इस फेहरिस्त में बॉलीवुड स्टार्स भी पीछे नहीं रहे हैं। बच्चों की यह तस्वीर किसने ली है यह तो पता नहीं चल पाया लेकिन फोटो को प्रोड्यूसर अतुल कसबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से शेयर किया है। इसके बाद इस तस्वीर को बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे अनुपम खेर, अमिताभ बच्चन समेत सुनील शेट्टी और बोमन ईरानी ने भी शेयर किया है।

एक्टर अनुपम खेर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा है जो लोग चीजों को सबसे अच्छी तरीके से बनाते हैं उनके लिए चीजें सबसे अच्छी हो जाती है। आइए देखें इस तस्वीर को......

प्रोड्यूसर अतुल कसबेकर ने तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा- मैं इस तस्वीर को शेयर कर रहा हूं क्योंकि इन प्यारे बच्चों की मासूमियत और खुशी ने मुझे हिला दिया है। एक यह एक ऐसी तस्वीर है जो मुझसे सवाल पूछती है। अगर कोई भी मजबूती से इन प्यारे बच्चों की तस्वीर का पता लगा सकता है, तो मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें कुछ चीज भेजने के लिए प्रयास करूंगा। हांलाकि, अमिताभ बच्चन ने उनके रिप्लाई में लिखा है कि यह तस्वीर फोटोशॉप है। अगर आप तस्वीर को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि चप्पल हाथ में चप्पल फंसा कर सेल्फी लेने वाले बच्चे का हाथ उसके शरीर से काफी बड़ा लग रहा है। बोमन ईरानी ने भी अपने ट्विटर हैंडल पर फोटो शेयर की और कहा, आप केवल उतने ही खुश हैं जितना आप चुनते हैं। मुझे यकीन है कि यह सेल्फी सबसे अधिक पसंद की जानी चाहिए। सुनील शेट्टी ने भी इस तस्वीर को शेयर किया है और लिखा- मैंने इस तस्वीर को देखा और शेयर किए बिना नहीं रह पाया। %खुशियां% वास्तव में मन की एक अवस्था है।

सोशल मीडिया यूजर बोले- नम हो गई आंखें

सोशल मीडिया यूजर ने फोटो को शेयर करते हुए लिखा है कि खुशियां सुविधाओं की मोहताज नहीं होती। किसी ने लिखा है कि देश में अब भी बहुत से बच्चे ऐसे हैं जिनके पास स्मार्टफोन होना भी किसी उपलब्धि से कम नहीं हैं। एक यूजर ने लिखा कि जिंदगी में जो कम मिलने पर खुश नहीं रहते और हमेशा शिकायत करते रहते हैं। उन्हें इन बच्चों से सीखना चाहिए। वहीं एक यूजर ने लिखा कि सच में बच्चों में भगवान बसता है। एक यूजर ने लिखा ने कि इस मासूमियत के आगे सारी दुनिया की दौलत भी कम पड़ जाएगी। एक यूजर ने तो ये भी लिख दिया कि फोटो देखकर उसकी आंखें नम हो गई। अब वो भगवान से कोई शिकायत नहीं करेगा कि उसके पास सुविधाएं नहीं है।

यमुना का आंचल मैला कर रहे दिल्ली के लोग, मनोहर ने लिखा केजरीवाल को पत्र

चंडीगढ़। हरियाणा में बहने वाली यमुना नदी का आंचल दिल्ली के लोग मैला कर रहे हैं। यमुना नदी में दिल्ली में 60 से अधिक गंदे नालों का पानी गिरता है, जो वापस हरियाणा पहुंच रहा है। हरियाणा ने दिल्ली के इस कारनामे पर कड़ी आपत्ति जताई है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर यमुना को प्रदूषित होने से बचाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यमुना नदी के साथ-साथ गुरुग्राम नहर में दिल्ली के लोगों द्वारा प्रदूषित पानी डाले जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में कहा है कि वे व्यक्तिगत रूप से दखल देकर यमुना नदी व गुरुग्राम नहर को प्रदूषित होने से बचाएं। मनोहर लाल ने अपने अधिकारियों को

सीएम मनोहर लाल का कहना है कि यमुना नदी व गुरुग्राम नहर का प्रदूषित होना गहरी चिंता का विषय है, क्योंकि इनका अत्यधिक दूषित पानी गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और नूंह जिलों के लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इससे इन जिलों में कृषि पैदावार भी बुरी तरह प्रभावित हो रही। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करे कि केवल उपचारित पानी ही यमुना नदी में डाला जाए। इस बारे में मैंने दिल्ली के सीएम को पत्र लिखा है।

निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि यमुना नदी व गुरुग्राम नहर में दूषित पानी अथवा कचरा न छोड़ा जाए। यमुना नदी सोनीपत के पल्ला गांव से दिल्ली में और फरीदाबाद जिले के गांव बसंतपुर में ओखला हेड के निकट हरियाणा में फिर प्रवेश करती है। यह दिल्ली के क्षेत्र में 52 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस दौरान 60 से अधिक नाले इसमें गिरते हैं, जिनमें उद्योगों अथवा बस्तियों का गंदा पानी अथवा कचरा होता है। ऐसा होने पर यमुना नदी हरियाणा में पुन प्रवेश करने से पहले अत्यंत प्रदूषित हो जाती है।

दस से पंद्रह गुणा तक बढ़ गया नदियों में प्रदूषण का स्तर

यमुना नदी व गुरुग्राम नहर का प्रदूषण स्तर बहुत अधिक बढ़ गया है। जुलाई से दिसंबर 2018 के दौरान गांव बसंतपुर में यमुना के पानी की बॉयो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड 45-46 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पहुंच गई, जबकि पानी में इसकी सीमा तीन मिलीग्राम प्रतिलीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। गुरुग्राम नहर, जो कि मेवात क्षेत्र में सिंचाई का मुख्य साधन है, उसमें बॉयो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड इसी अवधि में 32 से 45 मिलीग्राम प्रतिलीटर तक पहुंच गई।

एनसीआर के चार जिलों की सेहत और खेती हो रही प्रभावित

सीएम मनोहर लाल का कहना है कि यमुना नदी व गुरुग्राम नहर का प्रदूषित होना गहरी चिंता का विषय है, क्योंकि इनका अत्यधिक दूषित पानी गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और नूंह जिलों के लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इससे इन जिलों में कृषि पैदावार भी बुरी तरह प्रभावित हो रही। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करे कि केवल उपचारित पानी ही यमुना नदी में डाला जाए। इस बारे में मैंने दिल्ली के सीएम को पत्र लिखा है।

बैंक प्रक्रिया में उड़ गई बच्चों की वर्दी की राशि

पलवल। खंड के गांव रायपुर की राजकीय माध्यमिक पाठशाला के छात्रों को कंपकंपा देने वाली सर्दी में बिना गर्म वर्दी के स्कूल जाकर अपनी पढ़ाई करनी होगी। कारण कि सरकार द्वारा गर्म वर्दी के लिए बच्चों के बैंक खातों में भेजी गई 1000 की राशि में से 600 से 800 रुपये बैंक प्रबंधन ने छात्रों के खातों में न्यूनतम बैलेंस न होने की पैनल्टी के तौर पर काट लिए हैं। अब छात्रों व अभिभावकों की परेशानी यह है कि दो-तीन सौ रुपये में आखिर गर्म वर्दी का जुगाड़ हो भी तो कैसे। गरीबों के हक को बिचौलिए न डकार जाएं, इस सोच के साथ मोदी व मनोहर सरकार ने सीधे लाभार्थियों के खाते में पैसे भेजने की योजना बनाई थी। राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के भी बैंकों में खाते खोले गए।

पुलिस पर हमला कर छुडाया बदमाश

पलवल। अदालत के आदेश पर सदर थाना क्षेत्र के गांव देवली में दो आरोपितों को गिरफ्तार करने गई कैंप थाना पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों व ईट-पत्थरों से हमला कर दिया और आरोपी को छुड़ा लिया। हमले में पुलिस कर्मियों को चोटें आई और उनकी सरकारी गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सदर थाना पुलिस ने कैंप थाना प्रभारी की शिकायत पर 17 नामजद सहित दर्जनभर अज्ञात महिला-पुरुषों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बघोला चौकी प्रभारी दुलीचंद के अनुसार कैंप थाना प्रभारी भीम सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 17 अगस्त 2016 को डकैती व लूट संबंधी धाराओं के तहत दर्ज मुकदमे दर्ज है।

आगे बढ़ने की प्रतियोगिता बना रही युवाओं को तनावग्रस्त ऐसे करें टेंशन दूर

हिसार। युवा तनावग्रस्त हो रहे हैं। इसका प्रमुख कारण लगातार बढ़ रही प्रतियोगिता है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (ल्द्द) हिसार में किए गए एक शोध के मुताबिक 7.8 युवा अति तनाव में हैं और 15.6 फीसद गहरे तनाव में। इसके अतिरिक्त 37.8 फीसद युवा कम ही सही, लेकिन तनाव से ग्रस्त हैं। केवल 39 फीसद युवा ही तनावमुक्त हैं। अध्ययन में सामने आया है कि तनाव को दूर करने में फिल्में अहम भूमिका निभाती हैं। ल्द्द के कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट विभाग के शोध छात्र भूपेंद्र सिंह और प्रो. मनोज दयाल द्वारा किए गए इस शोध में युवाओं में तनाव की स्थिति और उसे कम करने के लिए फिल्मों की भूमिका का अध्ययन और जांच की गई थी।

युवा मानते हैं कि तनाव को कम करने के लिए वे फिल्में देखना पसंद करते हैं। विश्वविद्यालय के युवाओं पर हुए इस शोध में 34.4 फीसद युवाओं ने कहा कि वे कॉमेडी मूवी देखना पसंद करते हैं। इसके बाद 29.7 फीसद युवा रोमेंटिक, 15.6 फीसद एक्शन मूवी और 10.9 फीसद युवा ड्रामा मूवी देखने को तरजीह देते हैं। वहीं 9.4 फिसद युवा हॉरर मूवी देखते हैं।

6.2 फीसद रोज देखते हैं फिल्में

शोध में सामने आया कि 42.2 फीसद विद्यार्थी सप्ताह में कम से कम एक बार मूवी देखते हैं। इसके बाद 34.2 फीसद युवाओं ने माना कि महीने में एक मूवी जरूर देखते हैं। वहीं 6.2 फीसद युवा ऐसे रहे, जो प्रतिदिन कोई न कोई मूवी और 3.1 फीसद युवा कभीकभार ही कोई फिल्म देखना पसंद करते हैं या कभी नहीं देखते हैं।

15.6 फीसद तनाव में होते हैं तो फिल्में देखते हैं

शोध के अनुसार तनाव की स्थिति में 29.7 फीसद युवा बहुत कम फिल्में देखते हैं और 26.6 फीसद कई बार तनाव की स्थिति में फिल्में देखना पसंद करते हैं। 15.6 फीसद मानते हैं कि वे जब भी परेशान होते हैं या तनाव में होते हैं तो अधिकांशत मूवी ही देखते हैं। केवल 1.6 फीसद युवा ही ऐसे हैं कि जब वे तनाव में होते हैं तो मूवी का सहारा लेते हैं।

3.1 फीसद ने माना, फिल्म देखने से तनाव दूर होता है

26.6 फीसद युवाओं के अनुसार मूवी से बहुत कम बार तनाव दूर होता है। 25 फीसद युवा कहते है कि कई बार मूवी देखने से तनाव दूर हो जाता है और 25 फीसद ने फिल्मों से तनाव दूर होने से ही इन्कार कर दिया। 20.3 फीसद के अनुसार अधिकांश बार मूवी देखने से तनाव दूर हो जाता है और 3.1 फीसद युवा कहते हैं कि मूवी देखने से ही तनाव दूर होता है।

4.7 फीसद युवा फिल्म देखकर रहते हैं खुश

फिल्म देखने के बाद युवा कितना खुश महसूस करता है इस सवाल पर 42.2 फीसद युवाओं ने कहा कि वे कई बार अच्छा महसूस करते हैं। 32.8 फीसद के अनुसार अधिकांश बार, 20.3 फीसद के अनुसार कभी-कभार और 4.7 फीसद ने माना कि वे फिल्म देखने के बाद बहुत खुश महसूस करते हैं।

ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी में बंदरबाट का खुलासा, घिर सकते है आईएएस व आईपीएस

चंडीगढ़। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में मल्टीपल प्लॉट आवंटन घोटाले की तर्ज पर पंचकूला की ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में बंदरबांट का खुलासा हुआ है। मनसा देवी कांप्लेक्स में स्थित हरियाणा गवर्नमेंट ऑफिसर ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में तीन दर्जन से अधिक ढ्ढस् और ढ्ढक्क्र अधिकारियों को अलॉटमेंट दी गई, जबकि वे इसके पात्र नहीं थे। हरियाणा के अफसरों के लिए बनी इस सोसायटी में किन ढ्ढस्-ढ्ढक्क्र अफसरों ने अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल कर अलॉटमेंट ली, प्रदेश सरकार अब इसकी जांच कराएगी।

मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने भी प्रदेश सरकार से जवाब तलब कर रखा है। बड़ा सवाल यह कि जब ढ्ढस् और ढ्ढक्क्र केंद्र सरकार के अधीन काम करते हैं तो फिर राज्य सरकार के कर्मचारियों के नाते उन्हें सोसायटी में कैसे अलॉटमेंट की गई। वर्ष 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की सरकार ने ।ाष्टस्-।ाक्क्र के साथ ही प्रदेश के दूसरे अफसरों को आवास मुहैया कराने के लिए मनसा देवी कांप्लेक्स में हरियाणा गवर्नमेंट ऑफिसर ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को जमीन दी थी। नियमानुसार प्रदेश में अगर किसी व्यक्ति को किसी ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में प्लॉट या फ्लैट का अलॉटमेंट हो चुका हो तो उसे दूसरी सोसायटी में अलॉटमेंट नहीं की जा सकती। इसके बावजूद 40 ढ्ढस्-ढ्ढक्क्र अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इस सोसायटी के मेंबर बन गए, जबकि उनके पास दूसरी सोसायटी में भी प्लॉट या फ्लैट हैं। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2013 में ।ास्ङ्कक्क में मल्टीपल प्लॉट आवंटन घोटाले का खुलासा हुआ था जिसमें प्रशासनिक सेवा के साथ सेना के कई अफसर फंसे हुए हैं। झूठे एफिडेविट देकर कई-कई प्लाट हासिल करने के मामले में 59 हाई प्रोफाइल लोगों पर मुकदमे दर्ज हो चुके। इन प्लॉट्स के लिए अधिकारियों की पहली पसंद पंचकूला, गुरुग्राम और फरीदाबाद रहे। करोड़ों रुपये की कीमत के इन प्लॉट को आरक्षित श्रेणी में गैरकानूनी तरीके से खरीदा गया था। यह मामला भी हाई कोर्ट में विचाराधीन है।

गायत्री मंत्र के नित्य जाप से सब होता है पवित्र : सविता

पलवल। मंडकौला स्थित नंददास धाम में महंत मुरारी शरण की अध्यक्षता में चल रही वेदकथा के दौरान शनिवार को यज्ञानुष्ठान किया गया। कथा का वाचन आचार्या सविता शास्त्री व बच्चू सिंह आर्य द्वारा किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन सविता शास्त्री ने कहा कि गायत्री मंत्र के नित्य जाप करने से मन, बुद्धि व आत्मा पवित्र हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम और योगेश्वर श्रीकृष्णचंद्र नित्य मौन रहकर गायत्री मंत्र का जाप किया करते थे। वेदादि शास्त्रों में गायत्री मंत्र को महिमा मंडित किया गया है। प्रातकालीन सत्र में स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती ने कहा कि देवताओं की पूजा करने का सबसे सरल साधन यज्ञ ही है।

अब खुलेगा बोर्ड और निगमों में सरकारी नौकरियों का पिटारा

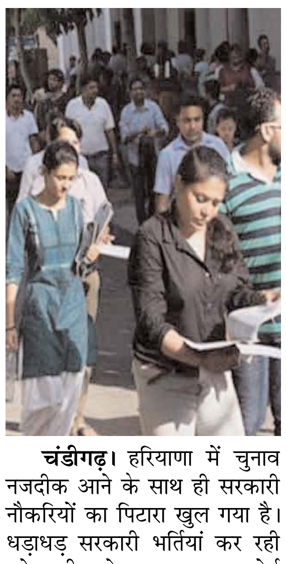

चंडीगढ़। हरियाणा में चुनाव नजदीक आने के साथ ही सरकारी नौकरियों का पिटारा खुल गया है। धड़ाधड़ सरकारी भर्तियां कर रही प्रदेश की मनोहर सरकार अब बोर्ड एवं निगमों में भी युवाओं को पक्की नौकरियां देगी। बोर्ड एवं निगमों ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पास नई भर्ती के प्रस्ताव भेजे हैं। आयोग अभी तक 71 हजार 500 पदों पर भर्ती निकाल चुका है और इनमें से 54 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बाकी 17 हजार 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी करने का लक्ष्य आयोग ने निर्धारित किया है।

17 हजार 500 पदों पर भर्ती 31 मार्च से पहले, नौ हजार पदों की कानूनी अड़चन दूर करेगा एचएसएससी

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने दो दिन पहले ही पांच हजार कांस्टेबल का रिजल्ट घोषित किया है। यह रिजल्ट 7110 पुलिस कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले चतुर्थ श्रेणी के 18 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां कर आयोग और सरकार युवाओं की वाहवाही बटोर चुकी है।

मनोहर सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल में 71 हजार 500 भर्ती, 54 हजार को मिल चुकी नौकरी

विपक्ष भले ही इन भर्तियों को लेकर सरकार पर अंगुली उठा रहा, लेकिन गांव की चौपाल से लेकर शहर की गलियों तक सब जगह पारदर्शी भर्ती के चर्चे हैं। करीब साढ़े नौ हजार भर्तियां कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया में अटकी हुई हैं। इन भर्तियों में सरकार और आयोग दोनों पार्टी हैं। कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भारत भूषण भारती के अनुसार इन भर्तियों की तमाम कानूनी अड़चन दूर करने के लिए सरकार और आयोग दोनों मिलकर प्रयास करेंगे। आयोग की कोशिश 31 मार्च तक सभी 71 हजार 500 पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर लेने की है। पुलिस के 7110 पदों की भर्ती प्रक्रिया भी मार्च के आखिरी सप्ताह तक पूरी कर ली जाएगी। आंकड़ों के नजरिये से देखें तो हरियाणा में नौकरियां देने के मामले में मनोहरलाल ने अपनी पूर्ववर्ती इनेलो सरकार और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्?व वाली कांग्रेस की सरकारों को काफी पीछे छोड़ दिया है।

पार्टी की सरकार - समय अवधि - नौकरी

1. इनेलो = 1999 से मार्च 2005 = 5591 भर्ती
2. कांग्रेस = मार्च 2005 से अक्टूबर 2009 = 18,020 भर्ती
3. कांग्रेस = अक्टूबर 2009 से अक्टूबर 2014 = 44,302 भर्ती
4. भाजपा = अक्टूबर 2014 से अब तक- 54,197 भर्ती

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग का रिपोर्ट कार्ड

कुल पद विज्ञापित = 71,481
नियुक्ति प्रक्रिया = 54,197 पद
भर्ती प्रक्रिया चल रही = 17,284 पद
पुलिस में भर्ती प्रक्रिया = 7110 पद

4500 पूर्व सैनिकों को विशेष पुलिस अधिकारी बनाएगी सरकार, मानदेय भी बढ़ेगा

कोर्ट में अटकी भर्ती = 8958 पद

अब बोर्ड एवं निगमों में भी नियमित भर्ती होगी। राज्य सरकार के माध्यम से बोर्ड एवं निगमों की ओर से नई भर्ती के प्रस्ताव आ रहे हैं। उन्हें कंपाइल किया जा रहा है। जल्द ही नई भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किए जाएंगे।

- भारत भूषण भारती, चेयरमैन, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग।

इनेलो ने 1999 से 2005 तक जहां सिर्फ 5591 नौकरियां दी, वहीं भूपेंद्र हुड्डा की कांग्रेस सरकार दस साल में 62 हजार 322 युवाओं को नौकरी दे पाई। भाजपा ने साढ़े चार साल में ही 54 हजार 197 युवाओं की भर्ती की है। पांच हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती का रिजल्ट घोषित हो गया। कुल 17 हजार 284 पदों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जो जल्द पूरी होगी। भाजपा सरकार के शासनकाल को पारदर्शी भर्ती के लिए जाना जाएगा।

- जवाहर यादव, पूर्व ओएसडी, सीएम हरियाणा।

सूरत। शहर के लिंबायत जोन क्षेत्र मे आने वाले महादेव नगर-4 डिंडोली में पूर्ण रुप से अवैध बांधकाम को भी अधिकारियों द्वारा मोटी रकम लेकर दे दी गई मंजूरी। जिसकी बाद अधिकारी द्वारा अपनी बदली करवा ली गई जिससे की नए अधिकारी को इसकी जानकारी न हो और कोई कार्यवाही न हो पाए।

उधना मगदल्ला रोड के सामने कानजी वाडी के पास अनजान युवक की हत्या

साईकल सवार युवक पर चाकू से हमला, लुट की आशंका

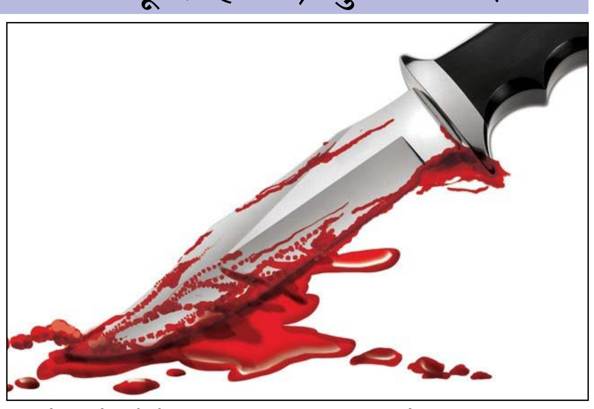

सूरत। बुधवार की सुबह उधना मंगदल्ला रोड़ शनिदेव मंदिर के सामने सोमा कानजी वाड़ी विभाग-2 के पास सीकल सवार युवक लहु लुहान हाल में मिलने पर राहगिरों द्वारा पुलिस और 108 को इसकी सुचना दी गई। मृतक युवक की लुट के इरादे से चाकु मार कर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। खटोदरा पुलिस सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह उधना मंगदल्ला रोड़ सोमा कानजी वाड़ी के पास ऐक अनजान युवक की लहु लुहान हालत में मिला। साईकल सवार अनजान युवक पर चाकु से हमला कर उसे लहु लुहान हालत में मिला। वहा से गुजरने वाले लोगों द्वारा पुलिस और 108 को फोन कर इसकी जानकारी दी गई। मृतक युवक की अभी तक कोई पहचान नहीं हो पाई है, साईकल सवार युवक इन्डस्ट्रीज सोसायटी में किसी कारखाने का कर्मचारी होने की आसंका जताई जी रही है। युवक पर चाकू के हमला कर हत्या की गई है, इस घटना में लूट की आशंका जताई जा रही है। खटोदरा पुलिस द्वारा अनजान युवक पर किसी अनजान व्यक्ति द्वारा हत्या की गई है का केस दाखिल कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

गोपीपुरा सुभाष चौक के पास मिलन कटपीस सेन्टर में आग

कपड़े का जत्था, पेपर के रोल और दफ्तर का सामान स्वाह

सूरत। बुधवार की सुबह 11.30 बजे के करीब गोपीपुरा सुभाष चौक पर आने वाली मीलन कटपीस सेन्टर में आग लगी होने का मैसेज मिला। जिसपर मुगलीसरा फायर स्टेशन के अधिकारी हर्दिक पटेल स्टाफ के साथ घटना स्थल पर पहुंच गए। किसी अनजान कारण से कपड़े की दुकान में आग लगी होने से कपड़े का जत्था, पेपर के रुमाल, और दफ्तर आग में स्वाह हो गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई, परंतु आग से दुकान में मोटा नुकसान हुआ है। आग पर फायर विभाग द्वारा काबू पा लिया गया। समय रहते आग पर काबू पाने से आजु बाजु की दुकानों में आग कोई असर नहीं हुआ।

छह मॉडल रोड के लिए ३० करोड़ का प्रावधान

३० करोड़ रुपये के खर्च से छह फ्लाय ओवरब्रिज बनेंगे

दांडी चौक पर फ्लाय ओवरब्रिज तैयार करने का आयोजन

अहमदाबाद । एएमसी प्रशासन द्वारा मंजूर किए गए वर्ष २०१९-२० के बजट में मेयर बीजलबहन पटेल और स्टेन्डिग कमिटी के चेयरमैन अमूल भट्ट द्वारा महत्व के विकास कार्यों की घोषणा की गई थी । शहर में ३० करोड़ रुपये के खर्च से छह फ्लाय ओवरब्रिज बनाये जायेंगे । जिसमें वाडज दांडी चौक, नरोडा पाटिया, मणिनगर रेलवे क्रासिंग, शाहीबाग डफनाला, नरोडा गेलेक्षी सिनेमा और विनोबानगर -विवेकानंदनगर को जोड़ता लो-लेवल ब्रिज भी शामिल है ।

शहर में ट्राफिक की समस्या समाधान करने के तहत फिलहाल अहमदाबाद शहर में अंजली चार रास्ता, फ्लायओवर, इन्कमटैक्स चार रास्ता, विराटनगर जंक्शन अजीतमिल जंक्शन, नरोडा रेलवे क्रासिंग, सीम्स अस्पताल, राजेन्द्रपार्क जंक्शन फ्लायओवर तथा खोखरा अनुपम रेलवे ओवरब्रिज वाइडनींग का काम किया जा रहा है । इसी तरीके से जगतपुर रेलवे क्रासिंग तथा चांदलोडिया, राणिप नए राणिपब्रिज के नीचे अंडरब्रिज, घोडासर स्मृतिमंदिर जंक्शन पर फ्लायओवर, पालडी जंक्शन, नारणपुरा पल्लव चार रास्ता, सत्ताधार चार रास्ता फ्लायओवर के कामकाज आयोजन में है ।

इसके अलावा नये आयोजन में दांडी चौक पर फ्लाय ओवरब्रिज तैयार करने का आयोजन है जिसकी वजह से गांधीनगर तथा नए वाडज की तरफ जाता ट्राफिक नोन स्टोप ट्राफिक हो सकता है, इसे ध्यान में लेकर इस बजट में दांडी चौक पर फ्लाय ओवरब्रिज के लिए १० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है । शहर के पूर्व क्षेत्र में नरोडा पाटिया जंक्शन की ट्राफिक समस्या को आसान करने के लिए नरोडा पाटिया जंक्शन पर भी फ्लायओवरब्रिज बनाने के लिए १० करोड़ रुपये आवंटन कराया गया है। शहर में ७६ किलोमीटर के रिंगरोड के आसपास एफोर्डेबल हाउसींग के प्रॉजेक्ट हो रहे है, जिसकी वजह से पूर्व तरफ के क्षेत्र की बड़ी कॉलोनियों के साथ यह क्षेत्र जुड़ रहा है । पूर्व क्षेत्र में विनोबाभावे नगर और विवेकानंद नगर के आवास के बीच खारी नदी का हिस्सा स्थित है ।

सूरत। जिला पंचायत आरोग्य विभाग के राज्यव्यापी कर्मचारियों द्वारा हड़ताल के ऐलान के बाद सूरत जिला पंचायत के आरोग्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा भी हड़ताल रखी गई।

शासक पक्ष भाजपा द्वारा ५४२ करोड़ की वृद्धि के सुझाव के साथ

एएमसी द्वारा २०१९-२० के लिए ८०५१ करोड़ रुपये का बजट मंजूर

लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर चुनाव संबंधी घोषणा का बजट विकास के कार्यों के लिए ४१२३ करोड़ रुपये आवंटन कराया गया

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिशनर विजय नेहरा द्वारा पहले पेश किए गए कुल ७५०९ करोड़ रुपये के ड्राफ्ट बजट में शासक पक्ष भाजपा द्वारा ५४२ करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ वर्ष २०१९-२० के लिए कुल ८०५१ करोड़ रुपये का बजट बुधवार हुई स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में मंजूर किया गया। जिसमें राजस्व खर्च में ३२२ करोड़ रुपये और विकास के कार्यों में २२० करोड़ रुपये मिलाकर कुल ५४२ करोड़ रुपये की वृद्धि का सुझाव दिया गया है । म्युनिसिपल कमिशनर द्वारा पेश किया गया । लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर शासक पक्ष द्वारा फिर एक बार विकास के कार्यों की बड़ी और चुनाव संबंधी घोषणाएं की गई है । जिसमें विकास के कार्यों के लिए ४१२३ करोड़ रुपये आवंटन कराया गया है । सामान्य टैक्स में, वॉटर और कंजर्वन्सी टैक्स या वाहन टैक्स में किसी भी प्रकार की वृद्धि बिना का बजट बुधवार को मंजूर किया गया। एएमसी प्रशासन का वर्ष २०१९-२० के बजट मामले में जानकारी देते हुए बीजलबहन पटेल और स्टेन्डिग कमिटी के चेयरमैन अमूल भट्ट ने बताया कि, शहर में प्रदूषण के स्तर में कमी दर्ज हो इसके प्रयास के तहत एएमसी प्रशासन द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़े और कार्बन की मात्रा में कमी दर्ज हो तथा एयरक्वॉलिटी में सुधार हो इस उद्देश्य से २०१९-२० के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों के आरटीओ पासींग के समय वसूला जाता आजीवन वाहन टैक्स में १०० फीसदी की बड़ी राहत देने का तय किया गया है । इसी प्रकार से चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालन किया जाता फिजियोथेरेपी सेन्टर की प्रॉपर्टी टैक्स में ७० फीसदी रिबेट देने का महत्व का निर्णय लिया गया है। जो फिजियोथेरेपी सेन्टर पब्लिक रजिस्टर्ड चेरिटेबल ट्रस्ट, एनजीओ द्वारा पब्लिक चेरिटेबल हेतु के लिए चलाया जाता हो और जो गरीबों और सामान्य नागरिकों को फिजियोथेरेपी उपचार मामूली कीमत पर उपलब्ध कराई जाती हो ऐसी संस्थाओं को प्रॉपर्टी टैक्स में ७० फीसदी रिबेट का लाभ मिलेगा। इसी प्रकार से संस्थानों पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट के तौर पर रजिस्टर्ड हुए हो और जो गरीब तथा आम वर्ग के लोगों को मामूली कीमत पर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराते हो और कॉर्पोरेशन की बिल्डिग का यह सेवाओं के लिए उपयोग कर रही हो ऐसी संस्था को २०१९-२० के वर्ष से प्रॉपर्टी टैक्स में ७० फीसदी रिबेट देने का ठहरा गया है। इसके अलावा पहली बार शहर में निजी मालिकी की जमीन में धार्मिक संबोधन-कथा जैसे कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर मंडप खड़ा करने के लिए एस्टेट विभाग द्वारा लिया जाता मंडप की फीस में संबोधन-कथा जैसे कार्यक्रम को माफी देने का ठहरा गया है।

लोकसभा चुनाव को ध्यान में लेकर शहर में जिन विकास कार्यों की घोषणा की गई है, इसमें वाडज दांडी चौक में ३० करोड़ रुपये के खर्च से फ्लाय ओवरब्रिज, नरोडा पाटिया फ्लाय ओवरब्रिज, मणिनगर रेलवे क्रासिंग रेलवे ओवरब्रिज, शाहीबाग डफनाला फ्लाय ओवरब्रिज, नरोडा सिनेमा गेलेक्षी सिनेमा फ्लाय ओवरब्रिज, विनोबानगर तथा विवेकानंदनगर को जोड़ता लो-लेवलब्रिज के विकास काम का आयोजन किया गया है । इसके अलावा, लालदरवाजा, एएमटीएस बस टर्मिनस को हेरिटेज थीम के साथ डेवलप करने के लिए पांच करोड़ रुपये का प्रावधान, माणेकचौक रिडेवलपमेन्ट प्लान क्लीन हेरिटेज स्ट्रीटफूड हब के लिए ५ करोड़ रुपये, इंडर मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए १० करोड़ रुपये, एरिया डेवलपमेंट प्लान के तहत लांभा-बलियादेव मंदिर क्षेत्र डेवलपमेंट, लांभा क्षेत्र के १० गामतल, विकास हेल्थक्लब, पुस्तकालय, करुणा अभियान और एनिमल अस्पताल के लिए ५ करोड़ रुपये, पूर्व क्षेत्र में माइक्रोलींक पद्धति से सुएजमेइन ट्रन्क लाइन, पूर्व में औद्योगिक गृह के साथ संकलन करके रिसायकल वाटर के उपयोग के लिए १० करोड़ रुपये, गोता-गोधावी नहर के लिए दस करोड़ रुपये, खारीकट नहर डेवलपमेंट योजना के लिए १० करोड़ रुपये, शहर के छह मॉडल रोड के लिए ३० करोड़ रुपये, गुजरात हाउसींग बोर्ड तथा स्लम क्लीयरन्स बोर्ड तथा औडा के आवासों में सुविधा के लिए १० करोड़ रुपये, कांकरिया ओपनएयर थियेटर में ओडिटोरियम, पूर्व क्षेत्र में बंद मिल की कटौती जगह में कॉम्युनिटी हॉल, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कॉम्युनिटी हॉल, वासणा कॉम्युनिटी हॉल, वातानुकूलित नरोडा कॉम्युनिटी हॉल नवीनीकरण, शारदाबहन अस्पताल के नवीनीकरण के लिए १० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है ।

अहमदाबाद शहर का बजट बुधवार को पेश किया गया। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारियों और प्रमुख उपस्थित हुए ।

स्वाइन फ्लू से मौत का आंकडा बढकर ५० हुआ

गुजरात में स्वाइन फ्लू का कहर : और ३ की मौत हुई

अहमदाबाद । गुजरात में स्वाइन फ्लू का कहर जारी है । आज स्वाइन फ्लू के कारण और तीन लोगों की मौत हो गई । भरूच, कच्छ और भावनगर में स्वाइन फ्लू से ग्रस्त एक-एक व्यक्ति की मौत होने से मौत का आंकड़ा बढ़र ५० पर पहुंच गया है । अभी भी ज्यादातर मरिज उपचार के तहत अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं । नये साल में स्वाइन फ्लू के केस में उल्लेखनिय वृद्धि देखने को मिल रही है। १ जनवरी से लेकर बुधवार तक ३७ दिनों में मरीजों की संख्या ९०० से ऊपर पहुंच गई है । सिजनल फ्लु के कारण ज्यादातर मरिज सरकारी के साथ साथ निजी अस्पतालो में इलाज के तहत होने को जानना मिला है। वडोदरा, अहमदाबाद में स्वाइन फ्लू का आतंक दिख रहा है। स्वाइन फ्लू से बचने के लिए तंत्र द्वारा अलग व्यवस्था की गई है । गत साल स्वाइन फ्लू के बड़ी संख्या में केस दर्ज हुए थे । तंत्र के द्वारा आंकड़े भी जारी किये गए थे। देश में स्वाइन फ्लू ग्रस्त सबसे ज्यादा आंकड़ा में गुजरात शामिल था। राजस्थान समेत राज्य में स्वाइन फ्लू के कारण खलबली मच गई थी । आज नये केस सतह पर आने से केसो की संख्या में वृद्धि ९६० के उपर पहुंच चुकी है। ३०० से ज्यादा उपचार के तहत होने का मालुम पडा है।

गुजरात कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

गुजरात में २४ घंटे रिटेल बाजारों को खुला रखने का निर्णय

अहमदाबाद । गुजरात में रिटेल बाजार को २४ घंटे खुला रखने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है । जिसकी वजह से कारोबारियों को बड़ी राहत और प्रोत्साहन मिलेगा । खानेपीने से लेकर अन्य कारोबारियों को सीधा लाभ मिलेगा। उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने कैबिनेट की बैठक के बाद लिए गए निर्णय मामले में जानकारी दी। सर्विस वर्ग को भी इसकी वजह से लाभ होगा। रात के समय में नौकरी करते लोगों को सीधा राहत होगा। पिछले कई दिनों से २४ घंटे खुदरा बाजार को खुला रखने को लेकर चर्चा हो रही थी। कारोबारियों की तरफ से इस मामले में प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। वर्तमान में रात के १२ बजे तक व्यापार-धंधा किया जा सकता था। लेकिन नये संशोधन की वजह से २४ घंटे दुकानें खुली रख सकते है। इसके साथ सरकार ने विश्वास व्यक्त किया है कि दुकानें २४ घंटे चालू रहने से रोजगार बढ़ेगा । कैबिनेट की बैठक में श्रम और रोजगार विभाग द्वारा कानून में संशोधन करके मंजूर किया गया। ठंड के सिजन में १८ तारीख को शॉप एस्टेबलिशमेन्ट ऐक्ट में संशोधन प्रदर्शित करता बिल पेश किया जाएगा । राज्य में करीब ७ लाख दुकानदार रजिस्टर्ड है। उनको अनिवार्य रूप से हर वर्ष रजिस्ट्रेशन कराना होता था । लेकिन यह बिल को लाने का निर्णय लिए जाने पर व्यापारियों को रिन्यू कराने से मुक्ति मिलेगी। नए व्यापारी अब सिर्फ एक बार रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा। व्यापारियों द्वारा २४ घंटे दुकानें चालू रखने से ओवर टाइम करने वाले को भी लाभ मिलेगा। जिसमे कर्मचारियों को डेढ़ गुना वेतन मिलेगा। इसके साथ व्यापारी के वहां ३० का स्टाफ होगा ऐसी दुकानें, शॉप या मॉल में महिलाओं को ध्यान में रखकर घोडियाघर बनाये जाएंगे । १०० से ज्यादा कर्मचारी हो ऐसी जगह पर केन्टीन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**